पू० मुनुवां भैया को प्रणाम
स्वा/184
बन्दूक बेचने की इजाजत तो
मुझे मिल गयी। पर जब हम
थे तब हरि नहीं, जब हरि थे तब हम
नाहि। आपने विद्या को लिखा था
कि मैं पहिली तक आऊँगा। पर जब
वो तो गई। फरवरी भी आ रही है।
आपके दर्शन के लिये विद्या
लालायित है। अतः मुझ से लिखने
कहा है। आगे क्या विचार है लिखि
ये। आपका लाइसेंस भी यहां पड़ा
है पर डेट वहां से बदलेगी। कृपया
र लिखिये तो भेजदूं। आपने
मुझे भी कुछ देने कहा था
याद रखियेगा। अबतो कुंभका
मेला भी समाप्ती पर है। तो

राष्ट्रीय अभिलेखागार
भारत
National Archives
of India

पहिले ही सर्वस्व गंगा जैंक
को सौंप दिया। अब क्या लेके
दर्शन करती यहीं से ध्यान
करके आशीर्वाद मांग लिया
अब ये दोनो ही चिरायु
रहें। पद्दी व पास होजांय।
फिर किसी काम की सोचूंगी।
पर परीक्षा के साथ [blot] बरसी
करनी पड़ेंगी। ईश्वर की इच्छा
आदी नियेगी आपकी
दद्दा

31·1·66
ALLAHABAD

पोस्टकार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP भारत ६ न.पै.

पं. पद्माकान्त जी मालवीय
अप्रोनध्या रोड
द्रौपदी घाट
इलाहाबाद

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA
राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत
National Archives of India